महानगर
वर्ष 53 | अंक 254
पृष्ठ : 16
मूल्य : सात रुपये

अमर उजाला

PAGE NO. : 08 TOP

'त्रिशंकु' में उभरा शिक्षित बेरोजगार युवाओं का दर्द

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक मंचन की शृंखला में बुधवार को 'त्रिशंकु' नाटक का मंचन किया गया। इसके माध्यम से मौजूदा दौर की सबसे बड़ी समस्या शिक्षित युवाओं के बेरोजगारी के दर्द को उकेरा गया।

रिद्धिमा में किया गया नाटक का मंचन

नाटक की शुरुआत ही एक नाटक से होती है। इसमें एक महिला रंगकर्मी पुरानी घिसी पिटी लोभी राजा की कहानी पर आधारित नाटक मंचित करती है। इसे देखकर सभागार में बैठे दर्शक भड़क जाते हैं और मंच पर अंडों, टमाटरों की बारिश कर देते हैं। वे रंगकर्मी से मांग करते हैं कि उनकी दिक्कतों और परेशोनियों पर नाटक लिखे। इसके बाद नाटक का ऑडिशन शुरू होता है और फिर नेता से अभिनेता तक के चरित्रों के जरिए बेरोजगारी पर केंद्रित नाटक का मंचन पूरा होता है। रंगकर्मी अंबुज कुकरेती के निर्देशन में मंचित इस नाटक में सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया।

इसमें नीलम वर्मा, डॉ. दीप शिखा जोशी की मुख्य भूमिका रही। विनायक श्रीवास्तव, अंशुमान, शिवम यादव आदि ने भी किरदार निभाए। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डीन एकेडमिक सीईटी डॉ. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद